परमात्म ऊर्जा

विस्तार को समाने अर्थात् सार स्वरूप बनने नहीं आता। क्वान्टिटी में चले जाते हो लेकिन अपनी क्वालिटी नहीं निकलती। अपनी स्थिति में भी संकल्पों की क्वान्टिटी है। इसलिए सर्विस की रिज़ल्ट में भी क्वान्टिटी है, क्वालिटी नहीं। सारे झाड़ रूपी विस्तार में एक बीज ही पॉवरफुल होता है ना। ऐसे ही क्वान्टिटी के बीज में एक भी क्वालिटी वाला है तो वह विस्तार में बीज रूप के समान है। क्वालिटी की सर्विस करते हो? विस्तार में जाने से व दूसरों का कल्याण करते-करते अपना कल्याण तो नहीं भूल जाते हो? जब दूसरे के प्रति जास्ती अटेन्शन देते हो तो अपने अन्दर जो टेन्शन चलता है उनको नहीं देखते हो। पहले अपने टेन्शन पर अटेन्शन दो, फिर विश्व में जो अनेक प्रकार के टेन्शन हैं, उनको खलास कर सकेंगे। पहले अपने आपको देखो। अपनी सर्विस फर्स्ट, अपनी सर्विस की तो दूसरों की सर्विस स्वतः हो जाती है। अपनी सर्विस को छोड़ दूसरों की सर्विस में लग जाने से समय और संकल्प ज़्यादा खर्च कर लेते हो। इस कारण जो जमा होना चाहिए वह नहीं कर पाते। जमा न होने के कारण वह नशा, वह खुशी नहीं रहती। अभी-अभी कमाया और अभी-अभी खाया, तो वह अल्पकाल का हो जाता है। जमा रहता है वह सदा साथ रहता है। तो अब जमा करना भी सीखो। सिर्फ इस जन्म के लिए नहीं लेकिन 21 जन्मों के लिए जमा करना है। अगर अभी-अभी कमाया और खाया जो भविष्य में क्या बनेगा? अभी-अभी कमाया और अभी बांटा नहीं। खाने बाद समाना भी चाहिए फिर बांटना चाहिए। कमाया और बांट दिया, तो अपने में शक्ति नहीं रहती। सिर्फ खुशी होती है जो मिला सो बांटा। दान करने की खुशी रहती है लेकिन उसको स्वयं में समाने की शक्ति नहीं रहती। खुशी के साथ शक्ति भी चाहिए। शक्ति न होने कारण निर्विघ्न नहीं हो सकते, विघ्नों को पार नहीं कर सकते। छोटे-छोटे विघ्न लगन को डिस्टर्ब कर देते हैं। इसलिए समाने की शक्ति धारण करनी चाहिए।

जैसे खुशी की झलक सूरत में दिखाई देती है, वैसे शक्ति की झलक भी दिखाई देनी चाहिए। सरलचित्त बहुत बनो लेकिन जितना सरलचित्त हो उतना ही सहनशील हो। सहनशीलता भी सरलता है? सरलता के साथ समाने की, सहन करने की शक्ति भी चाहिए। अगर समाने और सहन करने की शक्ति नहीं तो सरलता बहुत भोला रूप धारण कर लेती है और कहाँ-कहाँ भोलापन बहुत भारी नुकसान कर देता है। तो ऐसा सरलचित्त भी नहीं बनना है। बाप को भी भोलानाथ कहते हैं ना। लेकिन ऐसा भोला नहीं है जो सामना न कर सके। भोलानाथ के साथ-साथ ऑलमाइटी अथॉरिटी भी तो है ना। सिर्फ भोलानाथ नहीं है। यहाँ शक्ति स्वरूप भूल सिर्फ भोले बन जाते हैं तो माया का गोला लग जाता है। वर्तमान समय भोलेपन के कारण माया का गोला ज़्यादा लग रहा है। ऐसा शक्ति स्वरूप बनना है जो माया सामना करने के पहले ही नमस्कार कर ले, सामना कर न पावे। बहुत सावधान, खबरदार होशियार रहना है।

कथा सरिता

मेहनत करने से क्या नहीं हो सकता...!!!

एक बार की बात है, एक गरीब औरत थी जिसका नाम सरस्वती था। वह एक छोटे से गाँव में अपने पति और दो छोटे बच्चों के साथ रहती थी। उसके पति एक मजदूर थे लेकिन वह ज़्यादा पैसे नहीं कमाते थे। सरस्वती को अपने परिवार का समर्थन करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती थी।

वह अमीर लोगों के घरों में नौकरानी के रूप में काम करती थी। एक दिन सरस्वती के पति को एक दुर्घटना में चोट लग गई। वह काम करने में असमर्थ थे और परिवार की आय पूरी तरह से बंद हो गई।

सरस्वती को चिंता थी कि वह अपने परिवार को कैसे खिलाएगी। सरस्वती ने अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया।

वह हमेशा खाना अच्छा बनाया करती थी इसलिए उसने घर का बना खाना बेचने का फैसला किया। उसने अपने पड़ोसियों और दोस्तों को खाना बेचना शुरू किया।

उसका खाना इतना स्वादिष्ट था कि जल्द ही गांव में लोकप्रिय हो गया। सरस्वती का व्यवसाय तेजी से बढ़ा। उसने स्थानीय बाज़ार में अपना खाना बेचना शुरू किया। उसने इवेंट्स की भी केटरिंग शुरू की। सरस्वती एक अच्छी कमाई करने में सक्षम थी और अपने परिवार का समर्थन कर सकती थी।

सीख : अगर हम कड़ी मेहनत करने और अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ने के लिए तैयार हैं तो गरीबी को दूर करना और सफलता प्राप्त करना संभव है।

चंद्रपुर-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा प्रियदर्शनी सभागृह में राजयोगिनी कुसुम दीदी,पूर्व उपाध्यक्षा कला संस्कृति प्रभाग,संचालिका चंद्रपुर क्षेत्र,डायरेक्टर टीवी मराठी के पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित स्नेहांजलि कार्यक्रम में ओम शांति रिट्रीट सेंटर,गुरुग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, कला संस्कृति प्रभाग की अध्यक्षा एवं यूथ विंग की उपाध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी,महादेव नगर अहमदाबाद, कला संस्कृति प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका करनाल से.7 से आईं ब्र.कु. प्रेम बहन, निफा इंटरनेशनल गिनीज़ बुक रिकॉर्ड होल्डर प्रितपाल सिंह पन्नू, विंग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. दयाल भाई, मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. सतीश भाई, ब्र.कु. नितिन भाई,माउण्ट आबू, चंडीगढ़ से गायक जय गोपाल लुथरा, विद्या बहन,पुणे सहित देश भर से 1700 से अधिक भाई-बहनें शामिल रहे।

कोटा-राज.। जिला कलेक्टर रविंद्र गोस्वामी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. उर्मिला बहन।

बिजावर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित आध्यात्मिक होली कार्यक्रम में छतरपुर से ब्र.कु. रमा बहन, बिजावर सब जेल प्रभारी मुकेश माझी, रिटा. मिलिट्री इंस्पेक्टर उमेश सिंह, जनपद पंचायत बाबू ओमप्रकाश गुप्ता सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

ग्वालियर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा हेलीपेड कॉलोनी समिति के सहयोग से श्री हनुमान मंदिर प्रांगण पार्क में आयोजित 'खुशनुमा जीवनशैली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम' में राजयोगिनी ब्र.कु. आदर्श दीदी एवं राजयोगी ब्र.कु. प्रहलाद भाई ने सभी का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में डॉ के.के. तिवारी एवं पूर्व पार्षद विनती शर्मा ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही कार्यक्रम में बाल कलाकारों द्वारा विभिन्न सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

बरही-सिविल लाइन(म.प्र.)। गवर्नमेंट कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम के पश्चात् कॉलेज के प्रिंसिपल राजेश त्रिपाठी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नारायण भाई,इंदौर एवं ब्र.कु. ज्योति बहन।

निहरी-हि.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित द्वादश ज्योतिर्लिंगम शोभायात्रा एवं झाँकी को ब्रह्माकुमारीज़ सुंदर नगर सेवाकेंद्र की उप प्रभारी ब्र.कु. नवीना दीदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में ब्र.कु. नवीना बहन, सलापड सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. दया बहन, शशि भाई, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. प्रेरणा बहन सहित बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

बिलासपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के बहुचर्चित आध्यात्मिक एनीमेटेड मूवी 'द लाइट' के प्रथम शो का शुभारंभ रामा मैग्नेटो मॉल के पीवीआर में हुआ। इस कार्यक्रम में रेलवे के डीआईजी भवानी शंकर नाथ, सीनियर डीएमएम ओम प्रकाश, एडिशनल कलेक्टर हर्ष पाठक, विरिष्ठ पत्रकार तारिणी शुक्ला, छत्तीसगढ़ विद्युत उपभोक्ता फोरम बिलासपुर के अध्यक्ष बी.एल. वर्मा, गॉडलीवुड स्टूडियो माउंट आबू से द लाइट मूवी की कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. कंचन बहन, टिकरापारा सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. मंजू बहन व तालापारा सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रमा सहित व अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।